



उत्तराखण्ड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांघ्य दैनिक समाचार पत्र

जनरात द्वे



వర్ష: 12

अंक: 166

टेहरादून, सोमवार, 14 जून, 2021

ਪੰਨਾ:08

मूल्य: 2/4. प्रति

RNI-NO-UTTBIL2007/20700

6 Janmat Today

उत्तर प्रदेश

Dehradun
14 June, 2021

कुपोषण दूर करने में मददगार हैं मवका: डॉ एचजी प्रकाश

દેખા ગતિ (અનુભાવ)

कानपुर: बढ़ायेंदर उत्तराध वृक्षी एवं प्रीयोगिकी के विश्वविद्यालय के सौध निदेशालय के अंतर्गत संचालित कारब एन जी परियोजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वाटा गोद लिए गए गोद संवर्कित नांव झन्नपुर में निदेशक होम औं एच जी प्रकाश ने उपरिकृत वैज्ञानिकों के साथ गोद के लोगों में खुशीकृत दूर करणे के लिए खारीक मलका के लोगों को ८४ विसानों दो डिटरेशन किया गया निदेशक होम ने कहा है कि खारीक वी कालों में मक्का का महत्वपूर्ण स्थान है उत्तर प्रदेश में खारीक मक्का का दोपुरल लगभग ६.७४ लाख हेक्टेयर है तथा उत्तराधन १३.९२ लाख मीट्रिक टन है जबकि औसत उत्तराधन २०.८७ क्यूटन मति हेक्टेयर है एवं कलामुर मंडल में मक्का का दोपुरल लगभग ७५०० हेक्टेयर है जैसे १० एकड़ी प्रकाश ने कहा कि उत्तराधन विनान नाई खारीक मक्का वी पुनर्वृद्धि भूमि के लिए करते हैं जिसे भाजार में बेचकर अख्ति आकाशी प्राप्त



करते हैं तब हातना ही हात चारा पक्षुओं के लिए विल जाता है जिससे मध्यिणी में हरा बाट यही कमी को दूरा किया जा सकता है परन्तु प्रबंधन के ऊपर में डी प्रक्रिया में बताया कि मक्का की तुवाह की 15 से 20 दिनों के बाद घटली रिंबाह अवश्य कर दें तत्प्रवात अगली रिंबाह आयमवता अनुसार 10 से 15 दिन के अंतराल पर करो रहे खारीक मक्का में खरपतवारी के नियंत्रण के लिए खुली की रक्षायत से नियाई कर दें जिससे खरपतवार प्रबंधन ही जाता है तथा मिही में स्वस्थन किया बढ़ने से पौरी स्वस्थ ही जाते हैं उन्होंने यह भी कहा कि उर्दुख प्रबंधन के लिए छाँकी कफल में धूरिया

का छिक्काव 20 किलोप्राम प्रति हेक्टेयर की दर से पहली शिखाई के बैंड औट अने के बाद साथ कॉल करे फनसल मुख्य के लिए यह नमका में ताना ठेक्का, शिला वेपक कीट लगा हुआ है तो इसके नियंत्रण के लिए 25 ई.सी.1 सीटर डाईमेक्जोट या ब्योनालकारा 25 ही.सी. डेंड लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 400 सीटर पानी में घोल बर छिक्काव करे यह यह दवा बाजार में उपलब्ध न हो तो कर्किक्षुलन 38 की 20 किलोप्राम प्रति हेक्टेयर की दर से मुख्य कर दें जीतियो या जीतो पर किसी प्रकार का जोड़ दें दिचाई वहे तो जीनेव या मैनलोजें ज़ 7: 2 किलोप्राम 500 सीटर



पानी में घोल बनाकर किलकाव कर दें। कीट या होम कलाम में पुल दिखाने पर 15 दिन के बाद किलकाव कर दें औं १० एवं जी प्रक्रास ने कहा कि मक्कर की फलाल में जीता या भुटा बनते समय भूटा में नमी का ध्यान जलते रहते जाए उन्होंने कहा कि आमदनी बड़ाने के लिए मक्का की दो लाडलों के बीच में लोटिया की बुवाई कर दें तिससे कीट पानी का प्रश्नोप कम होता है लेकि जिसान भारी हो अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हो जाती है इसके अतिरिक्त उन्होंने कहा कि किसान नाई इन सब बातों का ध्यान रखवान रखका का प्रबंधन करते हैं तो कम्पी आप प्राप्त होगी उन्होंने कहा कि हइमें

प्रोटीन 9 से 11: लवा स्टार्टर 73 से 75 एंड कार्बोहाइड्रेट 70 से 75: तक पाया जाता है इसके साथ ही नमका में मिनरल, लिपिं, कैर्मिटाइप, वायर, आवर्ण य फालकोर्टा एंड लैलियन ला अच्छा स्रोत है जो कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भावी लगभगी है नमका सुखाव भोजन भी है कृषि कार्ब रसोते समय कॉर्डिफ-19 को इंट्राग्रान रखते हुए स्लायिंक दूरी अवधि बनाए रखें हल्त अवधि रपर कृषि विज्ञान कंड्रे के लिए वैज्ञानिक एंड नीडल अडिक्शनी लैंड अशोक कुमार, लैंड भानु प्रताप लिंग, दौं खलील खान, दौं ज़रूर कुमार सिंह, दौं अरविंद कुमार, लैंडिटर संब्रकला उपस्थित रहे।



चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अनूपपुर निदेशक ने दिए टिप्स; कुपोषण दूर करने में मददगार है मवका: डॉ. प्रकाश

कानपुर। गोदावरी अवान्द तुर्मि एवं लैलेंगी के विश्वविद्यालय (मैसेज़) में संस्कृत और शोध गोदावरीनगर के अंग्रेजी संचारित काल एवं यह स्थिरता के अभिन्न मौज़ तिथि दर और जैव मर्विन ग्रन्थ अनुष्ठान में निरेशक विधि तथा एवजल इकात ने अंग्रेजी विद्यालयों के समान बड़ा लोगों में कृषिकाल वर्ष करने के लिए शाही ग्रन्थ के बीचों को 87 विद्यालयों के विद्यालय घोषणा किया। निरेशक लोग ने वहाँ ही एवं बोनों को प्रशंसनीय वाद महानगरीय स्थान है। यूनी वै खुटिक मम्बा का सोलसल लगापन 6.74 लाख हेक्टेयर है तथा उत्तरां 13.92 लाख मीट्रिक टन है जबकि अंग्रेजी विद्यालय 20.67 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। कानपुर बिल्डिंग में सम्पर्क का सोलसल लगापन 7.67 हेक्टेयर है।

उन्हें मिलता कहा कि अधिकारी किसान, खालीक मकान को खुलाई भूटों के लिए बताते हैं जिसे वज्रार में बैठकर अचौप अवस्था प्राप्त करते हैं। इस सबके किसान, खालीक मकान की चुम्बकी करते हैं। उन्हें कहा कि खालीक मकान का प्रवास वैदिक अचौप तह से लिया जाता है कि उनके द्वारा वैदिक तह से तगड़ा 60 से 70 कुंतल जन और 220 से 230 कुंतल जन भूटों द्वारा लिया जा सकता है। इनमें से एक जन भूटों के लिए लिया जाता है जिसमें सभीं में इसके बारे में पूछ लिया जा सकता है। उसका उपयोग के बारे में यही प्रक्रिया ने बताया कि मकान की चुम्बकी के 15 से 20 दिनों के बाद पहली लियोगी अवस्था बन जाती है। अब इसकी अवस्था अमरुर 10 से 15 दिन के अंदर लग पाकरती है। खालीक मकान से खालीकों के निवास के लिए



खाली की साथापना से निर्वह कर दें जिससे खरपतवाहा प्रोलेट हो जाता है और मिट्टी में समयन लिया जाने से पीछे लाप्त हो जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उत्कंश प्रबोधन के लिए खुद्दी जलत में पुरिया का लियोगम 20 लिंटोंगम प्रीति लेटेपा की दर से पाली मिलावां के बाद अंडे आगे के बाद सभ बोली जाए। प्रवक्ता मुझे के लिए यह उत्तम समझ में उत्ता छोड़, लिए वेपक बंट लाय दृढ़ा है तो इसके नियंत्रण के लिए 25 हैरी। 1 लौटर खालीकंपेट पर वर्षानाश लाम 25 हैरी, तेंग लौटर प्रीति हेलोपार की दर से 400 लौटर पानी में घोल कर लियोगम काँ। यह यह रुप बाजार में उत्पन्न नहीं होते तो वर्षानाशपूर्ण उत्ती पीरी 20 लियोगम प्रीति हेलोपार की दर से बुराकल बर दे। पीरींग लियोगम की पीरीं पर लियों फ्रायर का कोई रोग निर्धारित नहीं होता जो जीवन का नियोगम 75 पीरींही, जिसोगम 500 लौटर जानी में खोता बनकर लियोगम कर दे। विहंग का दोष एवं प्रकार लियोगम पर 15 दिन के बाद लियोगम कर दे। उन्होंने कहा कि मुझका की जलत में बीजा वा भट्टा बनते समय मृता में नमी का बदन जलत रखा जाए। अमरनन्द वाहने के लिए मकान की दी लालचों के लिए में लैंसेज जो चुनौती कर दें जिससे कौट- इन्हों का प्रश्नोत्तर कर्य होता है और जिससे ऐसे अस्तीतिक अमरनन्द हो जाती है। उन्होंने बहा कि किसान इन सभ बातों का लालन रक्खन बनकर का प्राप्तीपन करते हैं तो अखें आप होते हैं। उन्होंने कहा कि इसमें ड्रेटन 9 से 11 पीरींही तथा रटांग 73 से 75 पीरींही और कर्लीवाईट्ट 70 से 7 चौमंदी तक पाना जाता है। इसके साथ ही मकान के मिलत, लैंसेज, लैंसेजिलम, कलाप, आदान, फलखोपान और फैलियम का अपूर्ण संतो है जो मालामाल की दृष्टि से बहुती तापवारी है। मालामुखा भोजन भी है। कृषि वर्षां बतते समय वर्षोंकिं-19 की दुर्लिपता रखती हुए सरकारीकृती अप्रूप बदल देती है। इस अप्रूप पर कृषि लियोगम कोइ के बोल्ट लियोगम के दोहरात अधिकारी भी अलग बुझते हैं, तो घनन प्राप्त मिलते हैं, तो खालील बुझते हैं, तो अलग कुप्रभ रिहाते हैं, तो अलग्विक करते हैं, तो लंदेकलन करते हैं जैसे हीरे होते हैं।





जन एक्सप्रेस

janexpresslive

लखनऊ, गंगालयार, 15 जून, 2021, वर्ष : 12, अंक : 241, पृष्ठ : 12, गुण्य ₹ 3.00/-

ए दुर्भ कीर्ति...

तस्वीर तक वित्तीय तथा अवैधतिक नहीं होता। www.janexpresslive.com/paper

ग

किसानों को खरीफ मक्का के बीजों का किया वितरण

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शोध निदेशालय के अंतर्गत संचालित कास्ट एंड सी परियोजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में निदेशक शोध डॉ. एच.जी. प्रकाश ने कृपोषण दूर करने के लिए 87 किसानों को खरीफ मक्का के बीजों का वितरण किया। उन्होंने बताया कि खरीफ की फसलों में मक्का का महत्वपूर्ण स्थान है। उत्तर प्रदेश में खरीफ मक्का का क्षेत्रफल लगभग 6.74 लाख हेक्टेयर है तथा उत्पादन 13.92 लाख मीट्रिक टन है जबकि औसत उत्पादकता 20.67 कुंतल प्रति हेक्टेयर है एवं कानपुर मंडल में मक्का का क्षेत्रफल लगभग 7500 हेक्टेयर है। उन्होंने कहा है कि खरीफ मक्का का प्रबंधन यदि अच्छी प्रकार किया जाए तो एक हेक्टेयर क्षेत्रफल से लगभग 60 से 70 कुंतल दाना तथा 220 से 230 कुंतल हरा भुज्जा प्राप्त किया जा सकता है तथा इतना ही हरा चारा पशुओं के लिए मिल जाता है।



उन्होंने कहा कि मक्का की फसल में जीरा या भुज्जा बनते समय मृदा में नमी का ध्यान रखना जरूरी है आमदनी बढ़ाने के लिए मक्का की दो लाइनों के बीच में लोबिया की बुवाई कर दें जिससे कीट पतंगों का प्रकोप कम हो जाता है तथा किसान भाइयों को अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हो जाती है। मक्का में 9 से 11 प्रतिशत प्रोटीन, स्टार्च 73 से 75 प्रतिशत तथा कार्बोहाइड्रेट 70 से 75 प्रतिशत तक पाया जाता है

यह मिनरल, जिंक, मैग्नीशियम, कापर, आयरन, फास्फोरस एवं कैल्शियम का अच्छा स्रोत होने के कारण स्वास्थ्य की दृष्टि से काफी लाभकारी है। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी डॉ. अशोक कुमार, डॉ. भानु प्रताप सिंह, डॉ. खलील खान, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. चंद्रकला यादव सहित गांव के पुरुष एवं महिला किसान मौजूद रहे।



सं. ६ अंक : ७३ पृष्ठ : १२
काम्पुत्री काम्पनिय, संकलन
१५ जून, २०२१
मुद्रा ₹ २.००

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक



www.shashwattimes.com

दिल्लीमें कमांडर रक्षित मर्डी हैं...जब इजावत के घोषण के नकाबहीं कोए...॥

1027 आमीर उपराज्यमंत्री जन राज विषय में दिल्ली राज्य सभा

1050 आमीर उपराज्यमंत्री जन राज विषय में दिल्ली राज्य सभा

कुपोषण दूर करने में गददगार है मवका: डॉ एच जी प्रकाश

शाश्वत टाइम्स काम्पनिय। चंद्रेश्वर आजाद जूधि श्वेत औद्योगिकी प्रिव्हेयालय काम्पनिय के कूलसीती जी, डी.आर.सिंह के हाथ जारी निटेंस के छम बीं सेक्युरिटी की प्रिव्हेयालय के लोधि निदेशालय के अधिगत संस्थानित काम्पनिय एवं सी.परियोजना के अधिगत प्रिव्हेयालय हाथ गोद लिए थे। बैप संविधान पाल्य अनुपमा में निदेशक शोध जी एवं जी प्रकाश ने उत्तमित वैज्ञानिकों के साथ गांव के लोगों में कृषीकृषण दूर करने के लिए खांसीक मक्का के लोगों को 87 किलोग्राम को विनाश किया गया। निदेशक शोध ने कहा है कि खांसीक की फसलों में मक्का का महत्वांग स्थान है। उत्तर प्रदेश में खांसीक मक्का का खेत्रकाल लगभग 6.74 लाख हेक्टेयर है तथा उत्पादन 13.92 लाख मीट्रिक टन है। जबकि औद्योगिक उत्पादकता 20.67 कुंडल प्रति हेक्टेयर है एवं काम्पनिय में मक्का का खेत्रकाल लगभग 7500 हेक्टेयर है। ऑफिटर एवं प्रकाश ने कहा कि अधिकारी किसान भई खांसीक मक्का की कुपाई मुहूर्त के सिवाय भी करते हैं। जबकि जाति की हाथ चारा पक्कियों के लिए वित्तसे खरपतवार प्रबंधन ही जाता है तथा इन्हीं में स्वस्त्र फिल्म बहुने से पीपी स्वस्त्र ही जाते हैं उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें प्रबंधन के लिए



अधिकारी आमदानी प्राप्त करते हैं। इस सम्बन्ध किसान भई खांसीक मक्का की बुखार कर रहे हैं। इन्होंने कहा है कि खांसीक मक्का का प्रबंधन भई अधिकारी प्रकाश किया जाए तो एक हेक्टेयर खेत्रकाल में लगभग 60 से 70 कुंडल दाना तथा 220 से 230 कुंडल हाता भूष्ट प्राप्त किया जा सकता है। तथा इन्होंने कहा चारा पक्कियों के लिए वित्तसे खरपतवार प्रबंधन ही जाता है तथा इन्हीं में स्वस्त्र फिल्म बहुने से पीपी स्वस्त्र ही जाते हैं उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें प्रबंधन के लिए,

खड़ी फसल में खुरिया का छिङ्काल 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर जी दर से पहली सिंचाई के बाद ऑफिटर अधिकारी के बाद सभी बहुत कर्ते फसल मुख्या के लिए यदि मक्का में तब लैंडक्रिप्ट बैपक जीट लाता हुआ है तो इसके लिंगांग के लिए 25 हैं, सी. 1 सीटर दूर्विधायकोट या क्वीनलफसल् 25 हैं, सी. डेक्सीटर ड्रिंग हेक्टेयर जी दर से 400 लैंटर पाली में खेत कर छिङ्काल करें यदि यह दवा बाजार में उपलब्ध ना हो तो खांसीकमुख्याल उत जी 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुक्काय कर दें। विविध वा वैधीय पर किसी प्रकाश वा कोई रोग छिङ्काल पहुंच ली जीलें या मैनकोवेब 75ल 2 किलोग्राम 500 लैंटर पाली में खेत बाकाकर छिङ्काल कर दें। कोट या रोग फसल में पुनः दिनाने पर 15 दिन के बाद छिङ्काल कर दें। ऑफिटर एवं जी प्रकाश ने कहा कि मक्का की फसल में जीवा या भूष्ट बनते समय मृदा में जमी जाता ज्वर रक्तरक्त ज्वर नहीं रहते कहा कि अम्बदनी बहुने के लिए नहीं जाता की दो लाजनी के बीच में लैंडिंग की बुक्काय कर दें लिससे

किसानों को वितरित किये गए मक्का के बीज



लोकभारती न्यूज़ ब्यूरो
15/06/2021

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शोध निदेशालय के अंतर्गत संचालित कास्ट एनसी परियोजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में निदेशक शोध डॉ एचजी प्रकाश ने उपस्थित वैज्ञानिकों के साथ गांव के लोगों में कुपोषण दूर करने के लिए खरीफ मक्का के बीजों को 87 किसानों को वितरण किया गया।

निदेशक शोध ने कहा है कि खरीफ की फसलों में मक्का का महत्वपूर्ण स्थान है उत्तर प्रदेश में खरीफ मक्का का क्षेत्रफल लगभग 6.74 लाख हेक्टेयर है तथा उत्पादन 13.92 लाख मीट्रिक टन है जबकि औसत उत्पादकता 20.67 कुंतल प्रति हेक्टेयर है एवं कानपुर मंडल में मक्का का क्षेत्रफल लगभग 7500 हेक्टेयर है। डॉक्टर एचजी प्रकाश ने कहा कि अधिकतर किसान भाई खरीफ मक्का की बुवाई भुट्टो के लिए करते हैं जिसे बाजार में बेचकर अच्छी आमदानी प्राप्त करते हैं।





લાભનિક સૈંક્રાણિક

क्र. ०३, फँग - २३०
मंगलवार, १५ जून, २०२१
पृष्ठ १२
महिय ३ रु०

For epaper → www.spdainikbhaskar.com

देश का लक्ष्य विस्तारवाही अध्यायर

दैनिक भास्कर

06 33

ਕਾਰੀਫ ਕੀ ਫਲਾਲੋਂ ਮੇਂ ਗਰੁੰਕਾ ਕਾ ਮਹਤਵਪੂਰਿ ਦਿਨ ਹੈ।

कुपोषण दूर करने में मददगार है मक्का : डॉ. प्रकाश

३८४

बनस्पति। नीलसार के लोधि निर्देशकला के अपेक्षा संवादित वारद इन ली परिवेशकला के अपेक्षा विविधतावाच कुट थोड़ा लिख यह और लकड़ियां यह उम्मीदवार ने लिएराज संघर्ष वाले प्रकाशा ने उपर्युक्त वैशिष्ट्यों के तथा बद के लोधिये में युक्तिशाली दूर करने के लिए लालीक बदक के द्वारा यह 27 विवरण दी गयी विवरण दी गयी।

नियंत्रित रोपण में जड़ा है जिसकी
की पारतों में गवाह का वापसीकृत
लक्षण है। उसका दर्शन में चारोंके
मालक का अंतिमलक लक्षणम् 6.74
लक्ष्य होता है जिसका लक्षण 13.92

तात्पुर गोदिंग का ८० हे जाहीर औला उत्तराधिकारा २०.६७ खुलासा प्री इंडियन है। लालचुपुर नवाज ने वस्त्रों का शेषकाल उत्तराधिकारा ७५०० इंडियन है। ती, एवं जी प्रधान ने बाहु के अधिकारी विद्यार्थी भाड़ी खुलेंगे मालाल की खुलासा भूमि के लिए लाभ है लिये जाता ने बोलन अली अलाउद्दीन आजाव कहते हैं। इस उत्तराधिकारा खुलासा कर रहे हैं। नवाजी नाम है ये लालचुपुर नवाज का

प्रवासी यदि उसके साथ व्यापक का प्रबंधन करती है तो इसका लिया जाना ही एक फैसलेप्रयास से बचत है ताकि व्यापक 60 ले 70 कुरुक्षत लाना 6220 से 230 कुरुक्षत लाना मुश्किल लिया जा सकता है, हालांकि यह लाभ व्यापक



के लिए मिल जाता है जिससे नींवें
में हाथ धार की उनी दो पूरा किया
जा सकता है। फलत इंसान के हाथ
में दो प्रकार ने बदल कि लकड़ी की
चुराई की तिकाई 10 से 15 लिंग के
अंतराल पर बरती रही। उन्होंने यह

वी कहा कि नारंग इवाहन के लिए सही कानून में युविय का विवरण 20 विवोइल प्री ट्रैक्टर की तरफ सही सिमाई के बाद और उसके कानून तक कौतन करें फक्त तुरात के लिए यदि यक्षमा में उन्हें देखा तो

उन्होंने कहा कि जमानी बढ़ने के लिए काला भी हो ताकि वे भी ने लंबिया ही दुर्घट कर दे रिसांस की पत्रों का इच्छय रख गोए हैं तो अपनी अपने जाते हुए उन्होंने कहा कि इसमें शोटिम 9 से 11% तथा स्टार्ट 73 से 75% वर्ष कालीनडाउट 70 से 75% लक पक लड़ के इन्होंने तथा ही काला में चिल्डल, लिंग, मैनीजिंग, कालर, अपर्याप्त, लास्टोरिस व कैरियरिंग का अवधारणा रखा है जो कि नवाचार की दृष्टि से काली तथाकाली है। ताकि एकल शोटिम भी है जूही जारी करते तथा कॉलिंड-73 को दृष्टिकोण रखते हुए समर्पित दूरी अपने बना रखें।

आर.एन.आई.ग.- UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय छिन्नी दैनिक

सत्ता एक्सप्रेस

डी.ए.डी.पी नई दिल्ली एवं राजस्थान कारबाह छात्रा प्रिकापन समिति प्राप्त

卷之十二 畫譜：241

कालापुर देश, संस्कार 15 वां 2621

Email: satyaexpress@rediffmail.com

अल्पात के १३ विद्यालयों को विद्या

अनुपपुर के ४ / किसानों का भिला स्वराफ मध्यका वाज एकावृत्त पाषक तत्व प्रबन्धन

6.74 लाख हेक्टेएर है तथा उत्तरायण
13.92 लाख मैट्रिक टन है जबकि
वैसा कारबोन कार्बन 20.67 कुंतल तक



कालान्तर के कुछ दिनों बाद जी.डी.एसी.एस. के हाथ लाली गिरिया के हग में दिनांक 14 जून 2021 को विशेषज्ञतावान के साथ निरेशावर में अमरपत्र लंबांशित कराया गया था। पर्सिपोलांग के अमरपत्र विशेषज्ञतावान का एक दिन बाद इस एवं जी.डी.एस. वारा उत्तम्युक्ति में विशेषज्ञता दोनों दी एवं जी.डी.एस. ने उपर्याखा फैलानिवेदी के साथ वारा के स्तोत्रों में कुरुक्षेत्र दृष्टि करने के लिए खाली मध्यवर्त के बीची को ८० विभागों का वितानपत्र दिया। निमेक्षण एवं निराकार महायजूली ने कहा है कि खालीक की कल्पना में स्थापना का महायजूली स्थान है। तात्पर खालीक मध्यवर्त का सोकल लन्धनम् हेस्टिंग्स है एवं कालान्तर मंडल वे लखन वा हॉकिंग लगभग २५०० हेस्टिंग्स है। जी.डी.एस. ने कहा कि अधिकारी विवाह वर्ष खालीक मध्यवर्त की तुरंत मुद्रा के लिए बातों की विरोध वाचार में बदलाव आवश्यक अमर्दानी करनी है। इस तरह विवाह वर्ष खालीक मध्यवर्त की तुरंत बदली बन रही है ताकि उन्होंने कहा है कि खालीक मध्यवर्त का इक्केंवां वर्षीय प्रवर्ष लिया जाए तो एक हेस्टिंग्स संस्कार से लगभग ८० से ७० तुरंत यान्मा तक २२० से २३० कुरांग लगभग १४० का बन दिया जाना चाहिए। तात्पर यान्मा ही हठ परा क्षमुली के लिए मिल जाता है जिससे गमिये में हठ

वा तरं वस्तुम् मृतं दिवेन परं
यी क्रान्ति के बदल विकास कर दें। तो एक
जी लड़का ने कहा कि मम वर्षा के
प्रकाशम् वै जीवा ता भूता बनते समय
मृत्यु में नन्ही जल ध्वनि जसल रहत
जहाँ उन्होंने कहा कि अमरदणी द्वारा
के सिंह मक्खा की दी लाजूनी के बीच
में लंबिका वै दुर्लभ कल द दिलसार
की चारों का प्रबोध कर होता।
तथा दिलसार चारों जो याती है दिवस
अविरोध उन्होंने कहा कि विश्वा रात
द्वारा यह बहुती का विन रातवान् वकास
का प्रकाश करती है तो उन्हीं ज्ञान
प्रवाह द्वारी रातों कहा कि द्वारा द्वारा
10 से 11 : त्रिक दिवान 72 से 75 तक¹
कालांशिरांगुट 70 से 75 तक पान
जाता है द्वारा तापमात्रा ही वकास
प्रियतानि, तिक्ति, वैष्णविमिष, रसप्रय
ज्ञानवात्। वाराणसीता एवं लौकिक
का अथवा घोटा ही जो कि वकासमा के
सुरिति एवं करकी आवाहारी है। यक्ष
सुखाय वैष्णव भीन है थी कृषि कर्तव्य
सामान बर्देश-12 से द्वितीय रात
द्वारा सम्भविक दूसी अवसर बनते रहते
हैं अप्रसर एवं कृषि विद्यान औंड व
प्रतिष्ठ वैष्णविमिष एवं नवेश अविक्षित
दी अवसर बुझते रहन् प्राप्ता सिद्धि,
स्वतीनि रहन् ती अवसर द्वारा सिद्धि
महिंदि द्वारा सुखाय द्वारा सिद्धि
सहित वापि के संबद्धी पुरुष एवं महिंदि
किसान द्वारा भित्ति रहे।

खरीदारी बढ़ेगी तो घटेगी महांगाई

अलोक जौही, दनिश

...कासी कुछ बता तो गहराई गए गई। रात्रि १२.४५ में आई तुलसिट विलं होटी लादा और गहरा ला मह नाम आज के लाल पर एकदम

कुपोषण दूर करने में महत्वगार है मवक्का : डॉ. प्रकाश

कानपुर (संवाददाता)।

सीएसए के शोध निदेशालय के अंतर्गत संचालित कास्ट एन सी परियोजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में निदेशक शोध डॉ एच जी प्रकाश ने उपस्थित वैज्ञानिकों के साथ गांव के लोगों में कुपोषण दूर करने के लिए खरीफ मवक्का के बीजों को 87 किसानों को वितरण किया गया। निदेशक शोध ने कहा है कि खरीफ की फसलों में मवक्का का महत्वपूर्ण स्थान है। उत्तर प्रदेश में खरीफ मवक्का का क्षेत्रफल लगभग 6.74 लाख हेक्टेयर है तथा उत्पादन 13.92 लाख मीट्रिक टन है जबकि औसत उत्पादकता 20.67 कुंतल प्रति हेक्टेयर है। कानपुर मंडल में मवक्का का क्षेत्रफल लगभग 7500 हेक्टेयर है। डॉ. एच जी प्रकाश ने कहा कि अधिकतर किसान भाई खरीफ मवक्का की बुवाई भुट्ठो

के लिए करते हैं जिस बाजार में बेचकर अच्छी आमदनी प्राप्त करते हैं। इस समय किसान भाई खरीफ मवक्का की बुवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि खरीफ मवक्का का प्रबंधन यदि अच्छी प्रकार किया जाए तो एक हेक्टेयर क्षेत्रफल से लगभग 60 से 70 कुंतल दाना व 220 से 230 कुंतल हरा भुट्ठा प्राप्त किया जा सकता है, इतना ही हरा चारा पशुओं के लिए मिल जाता है जिससे गर्भियों में हरा चारा की कमी को पूरा किया जा सकता है। फसल प्रबंधन के क्रम में डॉ प्रकाश ने बताया कि मवक्का की बुवाई की सिंचाई 10 से 15 दिन के अंतराल पर करते रहें। उन्होंने यह भी कहा कि उर्वरक प्रबंधन के लिए खड़ी फसल में यूरिया का छिड़काव 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से पहली सिंचाई के बाद ओट आने के बाद सायं कॉल करें फसल

सुरक्षा के लिए यदि मवक्का में तना छेदक धशिरा बेघक कीट लगा हुआ है तो इसके नियंत्रण के लिए 25 ई.सी. 1 लीटर डाईमैथओट या क्योनालफास् 25 ई.सी. डेढ़ लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 400 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें यदि यह दवा बाजार में उपलब्ध ना हो तो कार्बोफ्यूरान 3छ की 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुरकाव कर दें। पत्तियों या पौधों पर किसी प्रकार का कोई रोग दिखाई पड़े तो जीनेव या मैनकोजेब 75: 2 किलोग्राम 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव कर दें। डॉ. प्रकाश ने कहा कि मवक्का की फसल में जीरा या भुट्ठा बनते समय मृदा में नमी का ध्यान जरूर रखा जाए उन्होंने कहा कि आमदनी बढ़ाने के लिए मवक्का की दो लाइनों के बीच में लोबिया की बुवाई कर दें

जिससे कीट पतंगों का प्रकोप कम होता है तो अच्छी आय प्राप्त होगी उन्होंने कहा कि इसमें प्रोटीन 9 से 11: तथा रसार्च 73 से 75: एवं कार्बोहाइड्रेट 70 से 75: तक पाया जाता है इसके साथ ही मवक्का में मिनरल, जिंक, मैग्नीशियम, कापर, आयरन, फास्फोरस व कैल्शियम का अच्छा स्रोत है जो कि स्वास्थ्य की दृष्टि से काफी लाभकारी है। मवक्का सुपाच्य भोजन भी है कृषि कार्य करते समय कोविड-19 को दृष्टिगत रखते हुए सामाजिक दूरी अवश्य बनाए रखें। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी डॉ. अशोक कुमार, डॉ. भानु प्रताप सिंह, डॉ. खलील खान, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. चंद्रकला यादव सहित गांव के सैकड़ों पुरुष एवं महिला किसान उपस्थित रहे।